प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय

क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल (म.प्र.)

==========

पुरातन संस्कृति को सारे विश्व में फैलाकर भारत को विश्व गुरू बना रहीं ब्रम्हाकुमारीज - राजयोगी करूणा जी
आने वाले समय में मीडिया के माध्यम से भारत विश्वगुरू बनेगा - पी. नरहरि
भारत कों विश्वगुरू बनाने ७ दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय महोत्सव का शानदार आगाज
ब्रह्माकुमारीज भोपाल जोन का पूरे मध्यप्रदेश में आयोजन

.....

भोपाल : १२ अक्टूबर

140 देशों में ब्रह्माकुमारीज के सेवाकेन्द्र कार्य रहे हैं, जिनका संचालन बहनें करती हैं। और ये बहनें केवल पुरातन संस्कृति ही सिखाती हैं। ब्रह्माकुमारीज में तीन बातें सिखाई जाती हैं। एक ईश्वर, एक विश्व, एक परिवार। ब्रम्हाकुमारीज में 40000 समर्पित बहनें, 10000 समर्पित भाई, एवं 10 लाख परिवार प्रतिदिन ईश्वरीय ज्ञान एवं योग अर्थात पुरातन संस्कृति प्रतिदिन ब्रह्माकुमारीज में जाकर सीखते हैं। ईश्वर की संतान हैं, सबको एक करना ब्रह्माकुमारीज में सिखाया जाता है। जो बातें खुलकर नहीं दी जा रहीं थीं, वही शिक्षाएं निर्भय होकी ब्रह्माकुमारीज के माध्यम से पूरे विश्व में दी जा रही हैं। जिनके माध्यम से भारत निश्चित ही निकट भविष्य में विश्व गुरू बन कर रहेगा। उक्त उद्गार **ब्रह्माकुमारीज मीडिया प्रभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजयोगी करूणा भाई जी** भारत को विश्व गुरू बनानें में सर्व वर्गों का योगदन विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महासम्मेलन के पहले दिन आयोजित राष्ट्रीय मीडिया सम्मेलन में व्यक्त किए।

कार्यकम के मुख्य अतिथि पी. नरहरि जी, आई.ए.एस.,आयुक्त, जनसंपर्क, म.प्र. शासन भोपाल नें कहा कि प्रदेश एवं भारत की मीडिया अपने सर्वश्रेष्ठ कार्यो के माध्यम से चौथा स्तंभ बनकर मार्गदर्शन करता आया है। मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाले समय में निश्चित ही मीडिया के माध्यम से हम विश्व गुरू बनने जा रहे है। हमें फल की चिंता किए बगैर अपना कार्य बेहतर तरीके से करना है। मीडिया आइने के समान है, मीडिया शुभचिंतक है। मीडिया के द्वारा हम बेहतर तरीके से कार्य को आगे बढ़ा सकते हैं।

कार्यकम में स्वागत भाषण देते हुए ब्रह्माकुमारीज, भोपाल जोन की निदेशिका राजयोगिनी बी. के. अवधेश बहन जी नें कहा कि मीडिया वर्ग सभी वर्गों में ध्रुवतारे के समान है। आज झीलो की नगरी भोपाल ऊभारत के विश्वगुरू बनने का बीजारोपण हो रहा है। निकट भविष्य में संपूर्ण भारत विश्वगुरू बनेगा। भारत विश्वगुरू भगवान की अवतरण भूमि है। भगवान हमारे पिता है, एवं भारत माता है तो भारत विश्व गुरू हो ही गया। उन्होने आगे कहा कि भारत एक वो थाली है जिसमें सभी मूल्य सजे हुए थे। पाश्चात्य सभ्यता दैवीय सभ्यता नहीं है, वह हमें अपनी सभ्यता से दूर ले जा रही है। भोपाल अर्थात भू को पालने वाला। संसार की रचना संकल्पों से होती है। मीडिया वाले शांति का पैगाम फैलाएंगे तो भारत अवश्य ही विश्व गुरू बन जाएगा।

ब्रह्माकुमारीज मीडिया प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक, बी. के. सुशांत भाई जी नें कहा कि भगवतगीता में लिखा है कि कोई भी कार्य तभी सफल होता है जब योग एवं घ्यान से प्रारंभ करते है। तो पाजिटिव एनर्जी से ओतप्रोत हो जाते है। मीडिया हमको अंतर्रात्मा से कनेक्ट करनें का कार्य भी करते हैं। ब्रह्माकुमारीज का मीडिया प्रभाग जनतागृति लानें के लिए सन् 1980 से सक्रिय है। समाज में 10 प्रतिशत सकारात्मक एवं 90 प्रतिष्शत नकारात्मक ऊर्जा है। आध्यात्मिक ज्ञान से मीडिया एवं जनमानस को सकारात्मक सोच से जोड़ना है। तभी भारत विश्व गुरू बन सकता है।

कार्यकम की अध्यक्षता करते हुए राज्यसभा टी.वी., के पूर्व कार्यपालक निदेशक, दिल्ली से पधारे वरिष्ठ पत्रकार श्री राजेश बादल जी, नें कहा कि विश्वगुरू बनने की बात ही नहीं है। हम तो पहले भी विश्व गुरू थे, अब भी हैं, और आगे भी विश्व गुरू रहेंगे। उसका आधार यह है कि हर युग में ऐसी परंपरा रही है जिसे कहते हैं ज्ञान की परंपरा। ज्ञान की प्रामाणिकता अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर साबित होती है तब हम विश्व गुरू कहताए। हम विश्वगुरू की जगह प्रतिष्ठित है। पाश्चात्य सभ्यता बादलों के समान हमारे समाज में आ गई है। ये पाश्चात्य सभ्यता रूपी बादल हमारे समाज में आ गई है जिससे हमारी मीडिया पटरी से उतर गई है। मीडिया में सामाजिक समरसता एवं आध्यात्मिकता होने से पाश्चात्य सभ्यता रूपर बादलों को छांटने मे मदद कर सकती है तभी भारत विश्व गुरू बन सकता है।

राजी खुशी के संपादक वरिष्ठ पत्रकार प्रो कमल दीक्षित जी, नें कहा कि मन की सुप्त शक्तियों को आध्यात्मिकता से जगाकर विचलन को दूर कर भारत को विश्व गुरू बना सकते है।

लोकमत, म.प्र. के ब्यूरो चीफ श्री शिव अनुराग पटेरिया जी, वरिष्ठ पत्रकार नें कहा कि मीडिया आज खतरनाक मोड़ पर आकर खड़ी हो गई है। पहले मीडिया मिशन एवं फिर प्रोफेसन के लिए कार्य करती थी, परंतु आज मीछिया न जाने कहां आकर खड़ी हो गई है। आधुनिक बाजारों एवं सरकारों नें मीडिया को बहुत प्रभावित किया है। मीडिया को आत्मअनुशासन में मन्सा, वाचा कर्मणा में ला सकते है। समाज के अच्छे लोगों को संरक्षण देकर दिव्य गुणों को अपने आप में समाकर समाज के मन को बदलकर विश्व गुरू बन सकते है।

बंसल न्यूज, ब्यूरो चीफ भोपाल श्री शरद द्विवेदी जी, वरिष्ठ पत्रकार नें कहा कि गुलाब स्वतः खुशबू देता है ऐसे ही अच्छे गुणों का वर्णन करने की आवश्यकता नहीं है। जिस तरह ब्रह्माकुमारीज संस्थान अपना उत्तरदायित्व निभा रहा है उसी तरह मीडिया भी अपने उत्तरदायित्वों को पूरा कर भारत को विश्व गुरू बनाने में सहयोग देना है।

रायपुर से पधारे **वरिष्ठ पत्रकार मधुकर द्विवेदी जी** नें कहा कि समय की यही पुकार है कि हम अपनें में परिवर्तन लाएं। ब्रह्माकुमारज संस्थान नें लोगों के पांव से कांटा निकालनें का कार्य किया है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में माउंट आबू से पधारे मधुरवाणी ग्रुप के सतीश भाई एवं गौतम भाई नें सुंदर गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम में समा बांध दिया।

कार्यकम में दिल्ली से पधारी ब्रह्माकुमारीज ओमशांति रिट्रीट सेन्टर, दिल्ली **की निदेशिका** राजयोगिनी बी. के. शुक्ला दीदी **नें आशीर्वचन** दिए।

कार्यक्रम में रूस एवं चीन के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

श्री सोमदत्त शाष्त्री जी, वरिष्ठ पत्रकार एवं श्री सरमन नगेले जी, वरिष्ठ पत्रकारए डिजियाना न्यूज के रिजवान अहमद सिद्दीकी नें कार्यक्रम प्रति अपनी अपनी शुभकामनाएं प्रस्तुत की। कार्यक्रम के अंत में **रीवा सेवाकेन्द्र प्रभारी बी. के. निर्मला जी** नें आभार प्रदर्शन किया। **बी. के. डॉ. रीना बहन, सेवाकेन्द्र प्रभारी, गुलमोहर कालोनी, भोपाल** नें कुशल मंच संचालन किया। कार्यक्रम के आरंभ में दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया गया। कुमारी आकृति, कुमारी यशस्वी एवं ग्रुप नें नृत्य के माध्यम ये अपने भावों को व्यक्त किया।

मीडिया प्रभाग
ब्रह्माकुमारीज,
भोपाल